बेरोजगारी एवं उसके प्रकार

बेरोजगारी

- यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें लोग मजदूरी की मौजूदा दरों पर कार्य करने के लिए तैयार तथा इच्छुक हैं लेकिन अभी भी वे कार्य नहीं कर सकते हैं।
- भारत में बेरोजगारी तथा रोजगार का मापन एनएसएसओ (राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन) द्वारा किया जाता है।
- एनएसएसओ निम्न तीन श्रेणियों में लोगों का विभाजन करता है -
  (a) कार्यरत लोग (एक आर्थिक गतिविधि में लगे हुए)
  (b) कार्य नहीं कर रहे लोग (काम की तलाश में)
  (c) न तो कार्यरत न ही कार्य की तलाश में
  श्रेणी (a) में लोगों को कार्य बल कहा जाता है।
  श्रेणी (b) में लोगों को बेरोजगार कहा जाता है।
  श्रेणी (a) तथा (b) में लोगों को श्रम बल कहा जाता है।
  श्रेणी (c) में लोगों को श्रम बल में नहीं कहा जाता है।
  बेरोजगारों की संख्या = श्रम बल – कार्य बल
- भारत में बेरोजगारी के आंकड़ों को श्रम तथा रोजगार मंत्रालय के तहत रखा जाता है।

बेरोजगारी के प्रकार

1. **संरचनात्मक बेरोजगारी**

- संरचनात्मक परिवर्तन के कारण।
- उदाहरण – तकनीकी परिवर्तन, बढ़ती आबादी इत्यादि।

2. **प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी**

- जब लोग एक नौकरी से दूसरी नौकरी में स्थानांतरण करते हैं तथा वे इस अंतराल अवधि के दौरान बेरोजगार रहेंगे।

3. **आवर्ती बेरोजगारी (मांग की कमी बेरोजगारी)**

- जब मांग की कमी के कारण लोगों को नौकरी से निकाल दिया जाता है।
- उदाहरण – मंदी

4. **आवृत बेरोजगारी**

- बेरोजगारी के इस प्रकार में लोग कार्यरत हैं लेकिन उनकी सीमांत उत्पादकता शून्य है।
- उदाहरण – एक आदमी कुछ कृषि कार्य में लगा हुआ है, उसका दोस्त उसके साथ जुड़ता है लेकि उत्पादकता समान है। उसका दोस्त आवृत बेरोजगारी के तहत आता है।

5. **शिक्षित बेरोजगारी**

- यदि एक शिक्षित व्यक्ति अपनी योग्यता के अनुसार उपयुक्त नौकरी प्राप्त करने में सक्षम नहीं है।
- उदाहरण – इंजीनियरिंग स्नातक इंजीनियर पद के बजाय क्लर्क का पद प्राप्त करता है।

6. **खुली बेरोजगारी**

- स्थिति जिसमें लोगों को करने के लिए कोई काम नहीं मिलता है।
- इसमें कुशल तथा गैर-कुशल दोनों लोग शामिल हैं।

7. **अधीन बेरोजगारी**

- जब लोग कार्य प्राप्त करते हैं लेकिन वे अपनी दक्षता तथा क्षमता का अपने इष्टतम पर उपयोग नहीं करते हैं और वे सीमित स्तर तक उत्पादन में अपना योगदान देते हैं।

8. **स्वैच्छिक बेरोजगारी**

- बेरोजगारी के इस प्रकार में नौकरियां उपलब्ध हैं लेकिन व्यक्ति बेकार रहना चाहता है।
- उदाहरण – आलसी लोग, जिनके पास पूर्वजों की संपत्ति होती है वे कमाना नहीं चाहते हैं।

9. **प्राकृतिक बेरोजगारी**

- 2 से 3% बेरोजगारी को स्वाभाविक माना जाता है तथा इसे समाप्त नहीं किया जा सकता है।

10. **स्थायी बेरोजगारी**

- अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक बेरोजगारी के कारण मौजूद हैं।

11. **मौसमी बेरोजगारी**

- बेरोजगारी के इस प्रकार में, लोग साल के कुछ माह के लिए बेरोजगार रहते हैं।
- उदाहरण – किसान

byjusexamprep.com